स्कुटी मिलने पर छात्रा का किया सम्मान

04.10.2023

मंडावा@पत्रिका. रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविधालय मंडावा की छात्रा को सरकार की बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना कालीबाई भील मेधावी योजना में छात्रा गुंजन तानन को स्कुटी मिलने पर महाविधालय में सम्मान किया गया। अधिष्ठाता डॉ.सागरमल कुमावत ने बताया कि छात्रा गुंजन तानन के साथ महाविधालय के प्रतिभाओं कोमल कुमारी,अनामिका मील,अमन शर्मा,मोहित सेन का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर गेस्ट फैकल्टी और स्टाफ सदस्य डॉ.सरफराज, डॉ.लालचंद यादव, डॉ. धनेश्वरी, जितेन्द्र कुमार,राजपाल सहित अध्यनरत छात्र और छात्राएं उपस्थित थे।

जटिया स्कूल की छात्रा हर्षिता व कृषि कॉलेज की गुंजन को स्कूटी मिलने पर सम्मानित किया

बिसाऊ. छात्रा का स्कूटी पर बैठा कर सम्मान करते हुए।

मंडावा. योजना में मिली स्कूटी के साथ गुंजन।

बिसाऊ | सेठ दुर्गा दत्त जटिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा को राज्य सरकार की कालीबाई मेधावी स्कूटी योजना में स्कूटी मिली।

स्कूटी मिलने पर मंगलवार को प्रधानाचार्य गरिमा चाहर की अध्यक्षता में छात्र हर्षिता स्वामी को स्कूटी पर बिठाकर पुष्प हार पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया। इस मौके पर छात्र के परिजन और विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

मंडावा कृषि महाविद्यालय की छात्रा गुंजन तनन को स्कूटी मिली : मंडावा | स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के अंतर्गत संचालित संचालित रामनारायण कृषि महाविद्यालय की छात्रा को काली बाई भील मेघावी स्कूटी योजना में स्कूटी मिली है। डॉ. आरएस राठौड़ छात्र शाखा प्रभारी ने बताया कि छात्रा गुंजन तनन को स्कूटी मिली है।

इस अवसर पर महाविद्यालय में गुंजन तनन, कोमल कुमारी, अनामिका मील, अमन शर्मा तथा मोहित सैन को सम्मानित किया गया है। सम्मान समारोह में गेस्ट फैकल्टी तथा स्टाफ के डॉ. सरफराज, डॉ. लालचंद यादव, डॉ. धनेश्वरी जितेन्द्र कुमार, राजपाल, संदीप सैनी, अर्जुन सिंह, देवी सिंह सैनी भगवताराम अनिता वर्मा, प्रियंका, छात्र व छात्राएं उपस्थित थे।

05.10.2023

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज मिलेट्स कार्यशाला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. अन्तराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज कार्यशाला बुधवार को स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय में हुई। मुख्य अतिथि जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल ने कहा कि मिलेट्स उगा कर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय में अच्छा इजाफा कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मिलेट्स उगा कर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय अधिक कर सकते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ.पी. एस. शेखावत ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी।

प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मोटे अनाजों की उपयोगिता बताई। सहायक निदेशक भैराराम गोदारा ने राजस्थान के परिपेक्ष्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका पर जानकारी दी। काजरी बीकानेर के अध्यक्ष डॉ नवरत्न पंवार ने पोषक अनाजों के प्रसंस्करण एवं उनसे बनने वाले उत्पादों की जानकारी दी। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्याशाला में 200 से अधिक विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ प्रगतिशील किसानों, मिलेटस से सम्बन्धित स्वयं सहायता समूह, एफपीओ, स्वयंसेवी संस्था, मिलेट उद्यमियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई। कार्यशाला में विभागीय अधिकारी संयुक्त निदेशक उद्यान हरलाल सिंह बिजारणियां, उपनिदेशक यशवन्ती, डॉ.आर के मेहरा, सहायक निदेशक अमर सिंह, राजूराम डोगीवाल, रधुवर दयाल, राजेश गोदारा, प्रदीप कूकणा, ओम प्रकाश तर्ड, प्रेमाराम, कविता, मीनाक्षी, संगीता सहित अन्य उपस्थित रहे।

RIICO

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर– 302005, फोन–0141–2227751,4593201
फैक्स–0141–4593210, ई–मेल–riico@riico.co.in वेबसाईट– www.riico.co.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन सीलबंद निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं।

क्र सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रूपये में)
1.	इकाई प्रभारी, बीकानेर	
1.1	औद्योगिक क्षेत्र गजनेर, बीकानेर में खातेदारों के ब्लॉक को विकसित करने का कार्य। UBN-RDC2324WSOB01156	377.95
1.2	औद्योगिक क्षेत्र बीछवाल से करणी, बीकानेर में लिंक रोड मरम्मत का कार्य। UBN-RDC2324WSOB01157	8.65
1.3	औद्योगिक क्षेत्र करणी, बीकानेर में लिंक सड़क सफाई व मलबा उठाने का कार्य। UBN-RDC2324WSOB01158	9.75
1.4	औद्योगिक क्षेत्र बीछवाल से करणी, बीकानेर मे लिंक सड़क पर पेंट का कार्य। UBN-RDC2324WSOB01159	8.81
1.5	औद्योगिक क्षेत्र बीछवाल प्रथम चरण, बीकानेर में नाली सफाई, मलबा उठाने व जंगल सफाई का कार्य। UBN-RDC2324WSOB01160	

युवाओं में उद्यमिता कौशल विकास पर प्रशिक्षण शुरू

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से युवाओं में उद्यमिता कौशल विकास पर दस दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से शुरू हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम तथा जर्सी, ब्रिटेन के डॉन बालॅडसन थे। आयोजक अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में कौशल विकास के लिए प्रख्यात विशेषज्ञों की ओर से टेक्सटाइल, इंटीरियर डेकोरेशन, हैंडिक्राफ्ट, फूड प्रोसेसिंग और बिजनेस स्किल संबंधित व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी दी जाएगी।

राष्ट्रदूत
दिनांक : 05/10/2023

बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीक के बारे में जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। अन्तराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत पोषक अनाजों क उत्पादन में वृद्धि मूल्य संवर्धन, मूल्य सवंर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के संबंध में जागरूकता लाने के उदेश्य से 'खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज कार्यशाला' बुधवार को स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में आयोजित की गई।

कार्यशाला में जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल मुख्य अतिथि थे। डॉ अरूणे कुमार कुलपति कृषि विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ अरूण कुमार कुलपति एसकेआरएयू ने कहा कि मोटे अनाज उगाकर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय में अच्छा इजाफा कर सकते हैं। जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. पी. एस. शेखावत, अनुसंधान निदेशक ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मोटे अनाजों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक भैराराम गोदारा ने राजस्थान के परिपेक्ष में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका पर पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। काजरी, बीकानेर के अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार ने पोषक अनाजों के प्रसंस्करण एवं उनसे बनने वाले उत्पादों की जानकारी दी। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार), बीकानेर कैलाश चौधरी ने कार्यशाला के सफल संचालन हेतु आगंतुक अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में 200 से अधिक विभागीय अधिकारियों के साथ साथ प्रगतिशील किसान मौजूद थे।

मोटे अनाजों पर आयोजित कार्यशाला का जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल बाएं से दूसरे ने शुभारंभ किया।

Central Library

दैनिक युगपक्ष
दि: 05/10/2023

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज मिलेट्स कार्यशाला आयोजित

बीकानेर (नसं)। अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत पोषक अनाजों क उत्पादन में वृद्धि मूल्य संवर्धन, मूल्य सवर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के सम्बन्ध में जागरूकता लाने के उदेश्य से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज कार्यशाला बुधवार को स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल मुख्य अतिथि व डॉ. अरूण कुमार कुलपति कृषि विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ अरूण कुमार कुलपति एसकेआरएयू ने कहा कि मिलेट्स उगा कर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय में अच्छा इजाफ़ा कर सकते हैं। ज़िला प्रमुख मोडाराम मघवाल ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने हेतु प्रोत्साहित किया। डॉ.पी. एस. शेखावत ,अनुसंधान निदेशक ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मोटे अनाजों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार),बीकानेर कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्याशाला में 200 से अधिक विभागीय अधिकारियों के साथ साथ प्रगतिशील किसानों, मिलेटस से सम्बन्धित स्वयं सहायता समूह, एफपीओ, स्वयंसेवी संस्था, मिलेट उद्यमियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई।

Central Library

मिलेट्स उगाइए-आय बढ़ाइये : अरूण कुमार

बीकानेर (नि.सं.)। 'अन्तराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष' के तहत पोषक अनाजों क उत्पादन में वृद्धि मूल्य संवर्धन, मूल्य सवंर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के सम्बन्ध में जागरूकता लाने के उदेश्य से 'खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज कार्यशाला' बुधवार को स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल मुख्य अतिथि व डॉ अरूण कुमार कुलपति कृषि विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ अरूण कुमार कुलपति एसकेआरएयू ने कहा कि मिलेट्स उगा कर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय में अच्छा इजाफा कर सकते हैं। जिला प्रमुख मोडाराम मघवाल ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने हेतु प्रोत्साहित किया। डॉ.पी. एस. शेखावत ,अनुसंधान निदेशक ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मोटे अनाजों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक भैराराम गोदारा ने राजस्थान के परिपेक्ष्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी।काजरी बीकानेर के अध्यक्ष डॉ नवरत्न पंवार ने पोषक अनाजों के प्रसंस्करण एवं उनसे बनने वाले उत्पादों की जानकारी दी। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार),बीकानेर कैलाश चौधरी ने कार्यशाला के सफल संचालन हेतु आगंतुक अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में 200 से अधिक विभागीय अधिकारियों के साथ साथ प्रगतिशील किसानों, मिलेटस से सम्बन्धित स्वयं सहायता समूह, एफपीओ, स्वयंसेवी संस्था, मिलेट उद्यमियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई। कार्यशाला में विभागीय अधिकारी संयुक्त निदेशक उद्यान हरलाल सिंह बिजारणियां, उपनिदेशक यशवन्ती, डॉ आर के मेहरा, सहायक निदेशक अमर सिंह, राजूराम डोगीवाल, रधुवर दयाल, राजेश गोदारा, प्रदीप कूकणा, ओम प्रकाश तर्ड, प्रेमाराम, कविता, मीनाक्षी, संगीता, कांता मूंड, चन्द्रकला, रमेश चंद्र भाम्भू, डॉ मानाराम जाखड़, धन्नाराम बेरड़, मालाराम जाट इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत ने किया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 05-10-2023

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज मिलेट्स कार्यशाला आयोजित

मिलेट्स उगाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं किसान : डॉ अरूण कुमार

बीकानेर. अन्तराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत पोषक अनाजों के उत्पादन में वृद्धि मूल्य संवर्धन, मूल्य सवंर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के सम्बन्ध में जागरूकता लाने के उदेश्य से बुधवार को 'खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज' कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय में आयोजित कार्शाला में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने हेतु प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि कृषि विवि के कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि मिलेट्स उगा कर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय में अच्छा इजाफा कर सकते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ.पीएस शेखावत ने बाजारा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मोटे अनाजों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक भैराराम गोदारा ने राजस्थान के परिपेक्ष्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। काजरी बीकानेर के अध्यक्ष डॉ नवरत्न पंवार ने पोषक अनाजों के प्रसंस्करण एवं उनसे बनने वाले उत्पादों की जानकारी दी।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज मिलेट्स कार्यशाला आयोजित

बीकानेर (नसं)। अन्तराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत पोषक अनाजों क उत्पादन में वृद्धि मूल्य संवर्धन, मूल्य सवंर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के सम्बन्ध में जागरूकता लाने के उदेश्य से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज कार्यशाला बुधवार को स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल मुख्य अतिथि व डॉ अरूण कुमार कुलपति कृषि विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ अरूण कुमार कुलपति एसकेआरएयू ने कहा कि मिलेट्स उगा कर इस क्षेत्र के किसान अपनी आय में अच्छा इजाफा कर सकते हैं। जिला प्रमुख मोडाराम मघवाल ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने हेतु प्रोत्साहित किया। डॉ.पी. एस. शेखावत ,अनुसंधान निदेशक ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने मोटे अनाजों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार),बीकानेर कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्याशाला में 200 से अधिक विभागीय अधिकारियों के साथ साथ प्रगतिशील किसानों, मिलेटस से सम्बन्धित स्वयं सहायता समूह, एफपीओ, स्वयंसेवी संस्था, मिलेट उद्यमियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई।

11.10.2023

कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन पर कार्यशाला का आयोजन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन तकनीक एवं प्रगति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों, कृषक उत्पादक संघ तथा आदर्श गांव की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की तकनीकी में सुधार कर कृषकों के खेतों पर इन्हें प्रभावी तरीके से लगाने के निर्देश दिये। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विभिन्न इकाइयों - काजरी, केन्द्रीय शुष्क उद्यानिकी संस्थान, मूंगफली अनुसंधान व दलहन अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित विभिन्न तकनीकी सुझाव दिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने दलहनी व तिलहनी फसलों की नवीनतम तकनीकी से अवगत कराया तथा प्रदर्शनों के माध्यम से इन तकनीकों को कृषकों के खेतों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

दैनिक नवज्योति
दि: 11/10/2023

कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों का तकनीकी में हो सुधार: डॉ. अरुण कुमार

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की तकनीकी में सुधार कर कृषकों के खेतों पर इन्हें प्रभावी तरीके से लगाने को कहा है। कुलपति डॉ. अरुण कुमार मंगलवार को स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी एवं प्रगति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों,

गांव की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चन्द्र ने कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विशिष्ठ अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई. पी. सिंह ने भी विचार रखें। निदेशक अनुसंधान डॉ. पी. एस. शेखावत ने दलहनी व तिलहनी फसलों की नवीनतम तकनीकी से अवगत कराया तथा प्रदर्शनों के माध्यम से इन तकनीकों को कृषकों के खेतों तक पहुंचाने का आह्वान किया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल ने गृह विज्ञान के क्षेत्रों में लगाये जाने वाले प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों के बारे में अवगत कराया।

काजरी प्रभारी डॉ. नवरतन पंवार, केन्द्रीय शुष्क उद्यानिकी संस्थान के प्रेधान वैज्ञानिक डॉ. धुरन्दर सिंह, मूंगफली अनुसंधान संस्थान के प्रभारी डॉ. नरेन्द्र कुमार दायमा, दलहन अनुसंधान संस्थान के प्रभारी डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. विजय सिंह राठौड, डॉ. राजाराम आदि ने तकनीकी सुझाव दिये। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों के समस्त वैज्ञानिकों सहित डॉ. दाताराम, डॉ. हनुमान देशवाल, डॉ. एन.एस. दहिया आदि ने भी कार्यशाला में भाग लिया तथा अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कार्यशाला में रबी-2023-24 में कृषकों के खेत पर दलहन, तिलहन व अनाज वाली फसलों के लगने वाले प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की तकनीकी पर मंथन हुआ। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विभिन्न इकाईयों-काजरी, केन्द्रीय शुष्क उद्यानिकी संस्थान, मूंगफली अनुसंधान व दलहन अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित विभिन्न तकनीकी सुझाव दिये।

दैनिक भास्कर
दि: 11/10/2023

कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की तकनीक पर मंथन

बीकानेर| स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी एवं प्रगति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में रबी-2023-24 में कृषकों के खेत पर दलहन, तिलहन व अनाज वाली फ़सलों के लगने वाले प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की तकनीकी पर मंथन हुआ। कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों, कृषक उत्पादक संघ तथा आदर्श गांव की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की तकनीकी में सुधार कर कृषकों के खेतों पर इन्हें प्रभावी तरीके से लगाने के निर्देश दिये। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विभिन्न इकाइयों काजरी, केन्द्रीय शुष्क उद्यानिकी संस्थान, मूंगफली अनुसंधान व दलहन अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित विभिन्न तकनीकी सुझाव दिये। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने दलहनी व तिलहनी फसलों की नवीनतम तकनीकी से अवगत कराया तथा प्रदर्शनों के माध्यम से इन तकनीकों को कृषकों के खेतों तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. विमला डुकवाल ने गृह विज्ञान के क्षेत्रों में लगाये जाने वाले प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों के बारे में अवगत कराया। प्रभारी डॉ. नवरतन पंवार, केन्द्रीय शुष्क उद्यानिकी संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. धुरंधर सिंह, मूंगफली अनुसंधान संस्थान के प्रभारी डॉ. नरेन्द्र कुमार दायमा, दलहन अनुसंधान संस्थान के प्रभारी डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. विजय सिंह राठौड़, डॉ. राजाराम आदि ने तकनीकी सुझाव दिये। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों के समस्त वैज्ञानिकों सहित डॉ. दाताराम, डॉ. हनुमान देशवाल, डॉ. एन.एस. दहिया आदि ने भी कार्यशाला में भाग लिया तथा अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

राष्ट्र दूत
दि: 11/10/2023

सार-समाचार

कृषि अनुसंधान कार्यों का अवलोकन

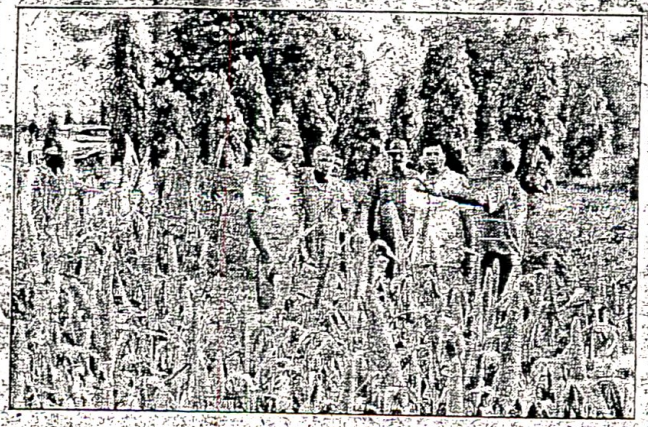

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने मंगलवार को कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर पर केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं, राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाओं एवं केन्द्र परीक्षणों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण कर अवलोकन किया। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान, डॉ. पी. एस. शेखावत ने केन्द्र पर संचालित विभिन्न अखिल भारतीय परियोजनाओं एवं विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। क्षेत्रिय निदेशक अनुसंधान डॉ. एस. आर. यादव ने केन्द्र पर किसानों के लिये लाभदायक अनुसंधान कार्यों के बारे में अवगत करवाया। भ्रमण के दौरान निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चन्द्र एवं केन्द्र के सभी वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

12.10.2023

कृषक प्रशिक्षण आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत कावनी में बुधवार को गोभीवर्गीय सब्जियों की आधुनिक खेती विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में 40 से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ बागवानी, पशुपालन, मुर्गी पालन आदि अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाएं एवं अपना सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन स्तर आर्थिक रूप से सुधारें। उन्होंने किसानों को फूलगोभी और पत्तागोभी के बीजों का वितरण किया।

राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की समीक्षा बैठक कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परियोजना प्रभारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि बैठक में वर्ष 2021 में स्वीकृत 3 परियोजनाओं के परिणामों तथा वर्ष 2023 में स्वीकृत 6 परियोजनाओं की भावी क्रियान्विति की समीक्षा की गई। जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, कृषि संकाय अध्यक्ष डॉ. आई. पी. सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल, क्षेत्रीय निदेशक अनुसन्धान डॉ. शीशराम यादव उपनिदेशक कृषि अनुसंधान, इंजीनियर जितेंद्र गौड़, पौध व्याधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दाताराम तथा कीट विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. वीर सिंह सहित सभी परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषकों ने भाग लिया।

किया जाएगा।

एसकेआरएयू में इग्नू केन्द्र स्थापित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र स्थापित किया गया है। इस केन्द्र में कृषि से संबंधित रोजगारपरक नए पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाएंगे। कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थित अध्ययन केन्द्र में वर्तमान सत्र में इग्नू की तरफ से फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी मैनजमेंट में स्नातकोत्तर एवं पीजी डिप्लोमा तथा वाटर हार्वेस्टिंग मैनजमेंट में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में छात्र प्रवेश ले सकते हैं। इस केन्द्र में आम लोगों के साथ-साथ कृषि विश्वविद्यालय के छात्र भी नवीन शिक्षा नीति के अनुसार एक नियमित एवं एक दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त कर सकेंगे।

रबी फसलों हेतु उत्तम कृषि प्रौद्योगिकियों विषयक किसान चौपाल

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य)। कृषि विज्ञान केन्द्र पोकरण द्वारा दिधू ग्राम में शुष्क क्षेत्रों में कृषकों के लिए रबी फसलों हेतु उत्तम कृषि प्रौद्योगिकियों विषयक किसान चौपाल का आयोजन किया गया। खेती में सबसे अधिक समस्या किसानों के लिए उपलब्ध संसाधनों के कुशल प्रबंधन एवं उपयोग के समय से संबंधित होती है। पोकरण क्षेत्र मुख्यतः सरसों, तारामीरा, चना, इसबगोल, जीरा, गेहू रबी फसलो की बुवाई के साथ साथ कुछ क्षेत्रों में सब्जियां जैसे प्याज, मिर्ची, बैंगन, गोभी उगाई जाती है। खारे पानी में किसानों को पालक बीज एवं जौ की खेती को प्राथमिकता देना चाहिए। केन्द्र के सस्य विशेषज्ञ डॉ केजी व्यास ने बताया कि शुष्क क्षेत्रो में हरें चारे हेतु नेपियर ग्रास, जैसलमेरी सेवन, बीकानेरी धामन, चारा चुकंदर, केक्टस

को उगाना चाहिए। खराब पानी और मिट्टी में पशुओं के लिए हरे चारे हेतु जोधपुर स्थित केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान ने चुकंदर की चारा किस्म को विकसित किया है जो चार महीने में पौधे से 5-6 किलो वजन के कंद पैदा हो जाते हैं, 150 टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से हरे बायोमास का उत्पादन करती है। किसानों को सरसों की आर.एच. 725, 749, गिरिराज एवं चना की जी.एन.जी. 2144, 2171, 2207, 2261 और गेहूँ की डी.बी.डब्लू 327, 187 जैसे उन्नत किस्मों की बुवाई करनी चाहिये ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त हो सके। जीरा हेतु जी.सी. 4 एवं इसबगोल के लिए आर.आई. 89 किस्मों को लगाना चाहिए। सरसों में लौकीमुला खरपतवार के नियंत्रण हेतु आइसोप्रोटूरोन दवा का बुवाई से पहले 250 एवं बुवाई पश्चात 500 ग्राम प्रति हेक्टयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। कार्यक्रम में केन्द्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ रामनिवास ढाका ने बताया कि सभी फसलों की बुवाई से 15 दिन पूर्व सड़ी हुई गोबर की खाद 5 टन प्रति हेक्टयर की दर से उपयोग करना चाहिये ताकि रासायनिक उर्वरको का उपयोग कम से कम करना पड़े एवं भूमि में अधिक समय तक नमी बनी रहे। खेत की गहरी जुताई करके पाटा लगाने से नमी अधिक दिनों तक सरक्षित रहती है। तिलहनी फसलों की बुवाई के समय एस.एस.पी. उर्वरक का उपयोग करने से तेल की मात्रा में बढ़ोतरी होती है। दलहनी फसलों के बीज उपचार में राइज़ोबियम का उपयोग करने पर पर्यावरण में उपस्थित नत्रजन की उपलब्धता पोधो को अधिक मात्रा में होती है। भूमि में यूरिया देने के स्थान पर खड़ी फसलों में एन.पी.के. का छिड़काव करने से फसलों की अधिक बढ़वार होती है एवं फसल उत्पादन लागत में कमी आती है। 5 सल्फो सेलिसिलिक अम्ल 254 पीपीएम घोलकर स्प्रे करने से बारानी क्षेत्रों में बारिश के अधिक अंतराल के दौरान सरसों में हीट सहन की क्षमता बढ़ जाती है। पाला पड़ने की संभावना होने पर गंधक के तेज़ाब का छिड़काव फसलों पर करनें से इससे होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है। बेर में फूल आने एवं छोटे फल बनने की अवस्था पर डाईमिथोयट दवा 2 ग्राम प्रति लिटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से बेर में कीटो का प्रकोप नहीं होता है। इसके अतिरिक्त सभी फलदार पौधों में फुल बनते समय सिंचाई को रोक देने से अधिक संख्या में फल उत्पादन होता है।

दैनिक युगपक्ष
दि: 13/10/23

दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बीकानेर @ पत्रिका. एसकेआरएयू की इकाई सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से युवाओं में उद्यमिता कौशल विकास पर दस दिवसीय प्रशिक्षण का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन पर मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आशीष कुमार, विशिष्ट अतिथि नाल एयरपोर्ट निदेशक सागर मल सिंगारिया तथा अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ.अरुण कुमार मौजूद रहे। डॉ. विमला डुंकवाल ने बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

टॉपर्स का महाविद्यालय में सम्मान

मंडावा राजकीय कृषि महाविधालय में टॉपर का सम्मान करते हुए।

मंडावा. रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि कालेज मंडावा के द्वितीय वर्ष प्रथम सत्र का परिणाम जारी किया गया। इस वर्ष भी जारी हुए परिणाम में मंडावा महाविधालय के लक्की गंगवानी और रूचिका चौधरी ने सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। वहीं अनामिका कुमावत और अनुष्का कुमावत ने भी तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। महाविधालय के 98.20 प्रतिशत रहे परिणामों में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों में सात छात्राएं रही। अधिष्ठाता डॉ.सागरमल कुमावत ने बताया कि 69.40 प्रतिशत औसत अंकों के साथ मंडावा राजकीय कृषि महाविधालय मंडावा प्रथम स्थान पर रहा है। अधिष्ठाता डॉ.सागरमल कुमावत सहित स्टाफ सदस्यों ने सभी टॉपर विधार्थियो का महाविधालय परिसर में सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ आर.एस. राठौड़, शिवानी अग्रवाल,राजपाल यादव,संदीप सैनी, अर्जुन सिंह आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 20-10-2023

किसानों को दी अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों के उपलब्धता पर प्रभाव की जानकारी

दो दिवसीय फील्ड डेमोंस्ट्रेटर एंव एंटरप्रन्योर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ

भास्कर न्यूज | लूणकरणसर

इफ्को बीकानेर की ओर से 18-19 अक्टूबर को कृषि विज्ञान केन्द्र लूणकरणसर के सभागार में फील्ड डेमोंस्ट्रेटर एंव एंटरप्रन्योर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इफ्को जयपुर के राज्य विपणन प्रबंधक सुधीर मान थे। कृषि विज्ञान केंद्र लूणकरणसर के अध्यक्ष डॉ.भूपेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक इफ्को जयपुर डा0 अजय प्रताप सिंह सहित इफ्को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एंव चूरू जिले के क्षेत्र प्रबंधकों, 25 फील्ड डेमोंस्ट्रेटर व 40 एंटरप्रन्योर ने भाग लिया। इफ्को बीकानेर के क्षेत्रीय प्रबंधक विजय सिंह लांबा द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी को प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से रूबरू करवाया। वैज्ञानिक डॉ. भूपेंद्र सिंह द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में करवाए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में अवगत करवाया। राज्य विपणन प्रबंधक सुधीर मान द्वारा रासायनिक उर्वरकों से मानव स्वास्थ्य व प्राकृतिक संसाधनों जल, जमीन व जलवायु पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा देश के आर्थिक नुकसान पर जानकारी दी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार से उर्वरकों की उपलब्धता पर प्रभाव, राज्य में इफ्को उत्पादों की उपलब्धता, आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि के अभियान को साकार करने में नैनो तकनीक युक्त

इफ्को नैनो यूरिया के उपयोग करने को विस्तार से बताते हुए इसके प्रयोग को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने कि सलाह दी साथ ही बताया की परम्परागत दानेदार यूरिया की दक्षता 30 % होती है एवं शेष यूरिया भूमि, जल एवं पर्यावरण को प्रदूषित करता है। प्रशिक्षण ले रहे चारों जिलों के डेमोंस्ट्रेटर इफ्को नैनो उर्वरकों के ब्रांड एंबेसडर का कार्य करेंगे। डा. एपी सिंह द्वारा विभिन्न प्रकार के स्प्रे यंत्रों सहित ड्रोन से नैनो उर्वरकों के स्प्रे की विधि, मात्रा, समय व डोज के बारे में प्रजेंटेशन द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक, कृषि मसलों पर चर्चा

बीकानेर @ पत्रिका. रबी फसलों से संबंधित समस्याओं को समझने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय के सभागार में बुधवार को एक दिवसीय क्षेत्रीय अनुसन्धान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई.पी. सिंह ने बताया कि कृषि विवि कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र, संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, कृषि विभाग के अधिकारियों, बीकानेर, लूणकरणसर, जैसलमेर तथा पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि अनुसन्धान केन्द्र से जुड़े हुए किसानों ने भाग लिया। इस मौके पर किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श हुआ तथा उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान सुझाया गया।

राष्ट्रदूत दि: 26:10:2023

कृषि अनुसंधान कार्यों के परिणाम समय पर किसानों तक पहुंचें : डॉ. अरूण कुमार

- रबी फसलों पर क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक
- किसानों ने इसबगोल, चना, सरसों, जीरा, अनार, किन्नू की फसलों पर अपनी समस्याएं बताई

बीकानेर,(कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के अनुसंधानों का लाभ किसानों तक पहुंचाने तथा उनकी रबी फसलों संबंधित समस्याओं को समझने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय बीकानेर के सभागार में बुधवार को एक दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई.पी. सिंह ने बताया कि कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र, संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, कृषि विभाग के अधिकारियों, बीकानेर, लूणकरनसर, जैसलमेर तथा पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र से जुड़े हुए किसानों ने भाग लिया। इस मौके पर किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श हुआ तथा उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान सुझाया गया।

रबी फसलों पर क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक को कुलपति प्रो. अरूण कुमार (बाएं से दूसरे) ने संबोधित किया।

कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में किए जा रहे अनुसंधान कार्य किसानों की समस्याओं पर आधारित हो तथा अनुसंधान कार्यों के परिणाम समय पर किसानों तक पहुंचे। किसानों ने इसबगोल, चना, सरसों, जीरा, अनार, किन्नू की फसलों पर अपनी समस्याओं को रखा जिनका निदान पौध व्याधि वैज्ञानिक डॉ. दाताराम, कीट वैज्ञानिक डॉ. हनुमान देशवाल, उद्यान वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़, खरपतवार नियंत्रण वैज्ञानिक डॉ. शीशपाल सिंह, खारे पानी में खेती विशेषज्ञ डॉ. रणजीत सिंह द्वारा किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने बताया कि संरक्षित खेती में उपयोग होने वाले पॉलीहाउस में निमेटोड़ की समस्या, नैनो यूरिया एवं नैनो डी.ए.पी. के फसल में प्रभाव, नमी संरक्षण हेतु हाइड्रोजेल की उपयोगिता एवं खेती में जल बचत संबंधित अनुसंधान कार्यों की दिशा में विश्वविद्यालय कार्य की रूपरेखा तैयार करेगा।

केवीके सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों तक पहुंच बनाएं

एसकेआरएयू में प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार निदेशालय की ओर से गुरुवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. यू.एस. गौतम थे। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र गत 5 साल से किए जा रहे नवाचारों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रभावों के आंकलन दस्तावेज बनाकर सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से आम किसान तक पहुंच बनाए तथा कृषि नीति में योगदान दे।

उन्होंने कहा कि आज जागरूक किसान मौसम आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग कर वर्षा होने की संभावना को भांपकर सिंचाई की पूर्ति वर्षा से पूरी कर सिंचाई जल की बचत कर रहे हैं। बैठक में डॉ. जे.एस. संधू ने सुझाव दिया कि राजस्थान के पांचों कृषि विश्वविद्यालय सम्मिलित रूप से एक हिन्दी मासिक पत्रिका का प्रकाशन कर कृषि अनुसंधान एवं कृषि प्रसार गतिविधियों को वेबसाइट पर किसानों के लिए सुलभ करवाएं।

इस अवसर पर अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की लोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ अपेक्षाएं भी बढ़ रही हैं। बैठक में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र ने गत प्रसार सलाहकार समिति में दिए गए सुझावों पर क्रियान्विति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में किसान सहीराम गोदारा, कान सिंह तथा श्रवण गोदारा ने अपनी सफलताएं साझा कीं।

कृषि नवाचरों को सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए किसानों तक पहुंचाएं : डॉ. गौतम

एस.के.आर.ए.यू. में प्रसार सलाहकार समिति की बैठक को मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. यू. एस. गौतम (बीच में) ने संबोधित किया।

■ एस.के.आर.ए.यू. में प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में ये बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. यू. एस. गौतम ने कही

ीकानेर,(कासं)। स्वामी केशवानन्द जस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि सार निदेशालय द्वारा गुरूवार को ायोजित प्रसार सलाहकार समिति की ठक में मुख्य अतिथि के रूप में लते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान रिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक कृषि प्रसार) डॉ. यू. एस. गौतम ने हा कि कृषि विज्ञान केन्द्र गत 5 सालों किए जा रहे नवाचरों एवं प्रौद्योगिकी प्रभावों के आंकलन दस्तावेज़ नाकर सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम आम किसान तक पहुंच बनाएं तथा षि नीति में योगदान दें।

उन्होंने कहा कि आज जागरूक सान मौसम आधारित प्रौद्योगिकी का पयोग कर वर्षा होने की संभावना को ांपकर सिंचाई की पूर्ति वर्षा द्वारा पूरी र सिंचाई जल की बचत कर रहे हैं। ठक में डॉ. जे. एस. संधू पूर्व लपति कर्ण नरेन्द्र कृषि श्वविद्यालय जोबनेर ने सुझाव दिया क राजस्थान के पांचों कृषि श्वविद्यालय सम्मिलित रूप से एक न्दी मासिक पत्रिका का प्रकाशन कर षि अनुसंधान एवं कृषि प्रसार तिविधियों को वेबसाइट पर किसानों लिए सुलभ करवाएं।

इस अवसर पर अटारी जोधपुर निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने हा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की ोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ पेक्षाएं भी बढ़ रही है। अत: वीके अब किसानों की फलताओं की कहानियों के थान पर केस स्टडी जारी करें।

बैठक में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र ने गत प्रसार सलाहकार समिति में दिये गए सुझावों पर क्रियान्विति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में विश्वविद्यालय के सात कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त संगरिया एवं सरदारशहर के केवीके प्रभारियों ने अपने कार्य प्रगति प्रतिवेदन पढ़े।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र झुंझुनूं को वर्ष 2023 में रूपये एक करोड़ से ज्यादा का राजस्व सृजन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ केवीके के रूप में पुरस्कृत किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के समस्त केवीके मिलकर प्रति वर्ष कृषि प्रौद्योगिकी किसान मेले का आयोजन कर तकनीकों को आम किसान तक पहुंचाए। उन्होंने इस हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आर्थिक सहयोग हेतु उप-महानिदेशक से भी आग्रह किया। बैठक में प्रगतिशील किसान सहीराम गोदारा, कान सिंह तथा श्रवण गोदारा ने अपनी सफलताएं बैठक में साझा की। बैठक में विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, कृषि अधिकारियों, प्रसार वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. केशव मेहरा ने किया तथा डॉ. आर. के. वर्मा ने धन्यवाद ज्ञपित किया।

पराली जलाने पर जुर्माना : हनुमानगढ़ जिले में इस बार लगभग 35 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में धान फसल की बुवाई की गई है, जिससे 20-25 लाख क्विंटल पराली का उत्पादन अनुमानित है। कृषकों द्वारा धान फसल कटाई के तुरंत बाद खेत खाली कर गेहूं की बुवाई करने हेतु धान फसल अवशेष (पराली) को जलाने की प्रवृति है। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आयोग द्वारा निर्देश दिए है कि धान की कटाई के दृष्टिगत जिले में फसल अवशेषों को नहीं जलाने के बारे में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस सिलसिले में जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार ने निर्देश दिए हैं कि धान फसल कटाई उपरान्त फसल अवशेष (पराली) को नहीं जलाने हेतु कृषकों को प्रेरित किया जाए ताकि पर्यावरण प्रदूषित नहीं हो। कलेक्टर की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर को कार्ययोजना अनुसार जिला स्तरीय समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया जायेगा। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रमेश चंद्र बराला ने बताया कि कृषकों को प्रेरित करने के लिए धान उत्पादक क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत समिति पर पंचायत समिति स्तरीय किसान गोष्ठियों का आयोजन आगामी दो दिवस में किया जायेगा। तदोपरान्त प्रत्येक धान उत्पादक ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर ग्राम पंचायत स्तरीय किसान गोष्ठियों का आयोजन किया जायेगा।

के चलते बसों के टेंडर नहीं हो सके।

28.10.2023

रबी फसलों के बीज उत्पादन पर बैठक आयोजित

'किसान की आय दोगुनी करने में गुणवत्तायुक्त बीजों की भूमिका अहम'

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय बीज परियोजना इकाई की ओर से अनुसंधान निदेशालय के सभागार में रबी फसलों के बीज उत्पादन पर पुनरीक्षण बैठक का आयोजन कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. सी.पी.सचान थे। उन्होंने कहा कि किसान की आय दोगुनी करने में गुणवत्तायुक्त बीजों की अहम भूमिका है। उन्होंने किसानों की मांग के अनुरूप बीज उत्पादन करने तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों पर बीज वितरण केन्द्र स्थापित कर समय से बीज उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया।

रबी फसलों के बीज उत्पादन पर आयोजित बैठक में मौजूद विशेषज्ञ।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न फार्म पर बीज उत्पादन का क्षेत्र बढ़ाने के लिए नहरी जल संग्रहण डिग्गियों का निर्माण हमारी प्राथमिकता में है। उन्होंने बीकानेर में सरसों एवं मूंगफली का बीज हब स्थापित करने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर डॉ.ए.के. शर्मा ने रबी 2022-23 में उत्पादित बीजों एवं रबी 2023-24 के बीच उत्पादन लक्ष्य पर प्रतिवेदन दिया।

कृषि मासिक तकनीकी कार्यशाला आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि अनुसंधान केन्द्र स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को मासिक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन अतिरिक्त निदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में हुआ। कार्यशाला में खण्ड बीकानेर, चूरू व जैसलमेर के कृषि, उद्यानिकी, आत्मा के वरिष्ठ अधिकारी गण व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक गणों ने भाग लिया।

कृषि कार्यों में प्रगति की समीक्षा पर हुई चर्चा

बीकानेर | कृषि अनुसंधान केन्द्र, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को मासिक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मासिक तकनीकी कार्यशाला में खण्ड बीकानेर, चुरू व जैसलमेर के कृषि, उधानिकी, आत्मा के वरिष्ठ अधिकारी गण व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक गणों ने भाग लिया। मासिक तकनीकी कार्यशाला में माह अक्टूबर में की गए कृषि क्रियाओं की प्रगति पर समीक्षा की गई। कृषि वैज्ञानिक प्रो. हनुमान राम देशवाल, डॉ. राजेन्द्र राठौड़, डॉ. शीश पाल सिंह व विभागीय अधिकारी संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी, उपनिदेशक यशवन्ती, सहायक निदेशक कृषि भैराराम गोदारा, अमर सिंह गिल इत्यादि ने भाग लिया।

किसान की आय दोगुनी करने में बीजों की गुणवत्ता की अहम भूमिका : डॉ. सी.पी. सचान

■ रबी फसलों के बीज उत्पादन पर पुनरीक्षण बैठक आयोजित

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर की राष्ट्रीय बीज परियोजना इकाई द्वारा अनुसंधान निदेशालय के सभागार में रबी फसलों के बीज उत्पादन पर पुनरीक्षण बैठक का आयोजन कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया।

यह जानकारी देते हुए निदेशक अनुसंधान डॉ. पी. एस. शेखावत ने बताया कि इस बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. सी.पी. सचान, भूतपूर्व निदेशक (बीज), चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय कानपुर थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसान की आय दोगुनी करने में गुणवत्ता बीजों की अहम भूमिका है। उन्होंने किसानों की मांग के अनुरूप बीज उत्पादन करने तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों पर बीज वितरण केन्द्र स्थापित कर समय से बीज उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न फार्म पर बीज उत्पादन का क्षेत्र बढ़ाने के लिए नहरी जल संग्रहण, डिग्गियों का निर्माण हमारी प्राथमिकता में है। उन्होंने बीकानेर में सरसों एवं मूंगफली का बीज हब स्थापित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों पर मातृ बगीचा स्थापित करने तथा सब्जी एवं फलों की नर्सरी स्थापित कर उनकी पौध उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर डॉ. ए. के. शर्मा ने रबी 2022-23 में उत्पादित बीजों एवं रबी 2023-24 के बीच उत्पादन लक्ष्य पर प्रतिवेदन दिया। बैठक में अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. आई.पी. सिंह, निदेशक कृषि प्रसार, डॉ. सुभाष चंद्र, नर्सरी प्रभारी, डॉ. दाताराम, विभागाध्यक्ष उद्यान, डॉ. पी.के. यादव, क्षेत्रीय निदेशक श्रीगंगानगर मौजूद थे।

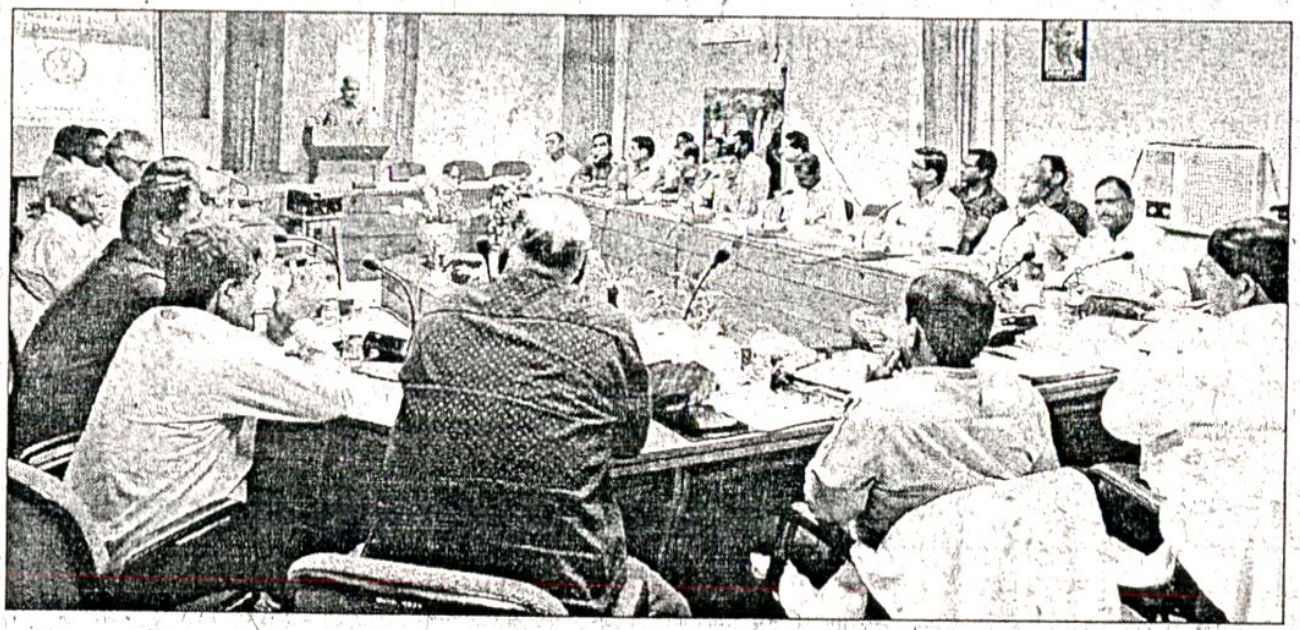

रबी फसलों के बीज उत्पादन पर पुनरीक्षण बैठक को कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने सम्बोधित किया।

डॉ. विजय प्रकाश, क्षेत्रीय निदेशक बीकानेर, डॉ. शीशराम यादव, डॉ. वीर सिंह, डॉ.यू.के. मील सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

पांच दिवसीय खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आज से

मंडावा राजकीय कृषि महाविधालय में होने वाली पांच दिवसीय प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर आयोजित बैठक मे चर्चा करते हुए।

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मंडावा. रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविधालय में खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं 30 अक्टूबर से प्रारम्भ होगी। मंडावा कालेज के प्राचार्य डॉ राजेन्द्र किरोड़िया के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रमों का आगाज 2 बजे से किया जाएगा। अधिष्ठाता डॉ. सागरमल कुमावत ने बताया कि महाविधालय में आयोजित कार्यक्रमों को लेकर राजेन्द्र किरोड़िया, डॉ बाबूलाल आलड़िया की उपस्थिति में कालेज परिसर में बैठक कर पांच दिवसीय प्रतियोगिता की रूपरेखा और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि उक्त प्रतियोगिता पूर्व में 23 से 26 नवम्बर को होनी थी जो मिड टर्म परीक्षा के कारण स्थगित कर दी गई थी। जिसका आयोजन अब 30 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक होगा। पांच दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन दोपहर 2 बजे से होगा।

प्रबंधन एवं मूल्य संवर्द्धन की दिशा में किसानों को प्रशिक्षण की जरूरत

31.10.2023 @ Patrika

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय की ओर से रबी 2023-24 की अनुसंधान सलाहकार समिति की दो दिवसीय बैठक कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में सोमवार से शुरू हुई। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह थे। उन्होंने कहा कि करनाल की ओर से विकसित गेंहू व सरसों की लवण सहिष्णु किस्मों को संभाग के किसानों में प्रचलन में लाने की आवश्यकता है।

कुलपति अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों पर छोटे रूप में ड्रैगन फ्रूट का बगीचा लगाकर उसका आर्थिक विश्लेषण करवाना चाहिए। उन्होंने खजूर की तुड़ाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन की दिशा में किसानों को प्रशिक्षित करने का सुझाव दिया। बैठक में संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी विशिष्ट अतिथि थे। अनुसंधान केंद्र बीकानेर का प्रगति प्रतिवेदन डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़ ने प्रस्तुत करते हुए बताया कि बीकानेर में लो टनल में खीरा एवं तरबूज की खेती लोकप्रिय हो रही है। बैठक मे कृषि संकाय अध्यक्ष डॉ. आई. पी. सिंह, निदेशक कृषि प्रसार डॉ. सुभाष चन्द्र, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय चांदगोठी डॉ. एन.के. शर्मा, डॉ. एस.आर. भूनिया, डॉ. ए.के. शर्मा तथा डॉ. दाताराम ने किसानों के दिये गए सुझावों पर कृषि में डॉक्टरेट की उपाधि के दौरान विद्यार्थियों से कराए जाने वाले अनुसंधान कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

एसकेआरएयू में अनुसंधान सलाहकार समिति की दो दिवसीय बैठक का आयोजन

Danik Bhasakr 31.10.2023

जौ का क्षेत्रफल बढ़ाने, ड्रैगन फ्रूट लगाने और गेहूं सरसों की लवण सहिष्णु किस्में लगाने पर रहा जोर

बीकानेर| स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय की ओर से रबी 2023-24 की अनुसंधान सलाहकार समिति की दो दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू हुई। निदेशक अनुसंधान डॉ. पीएस शेखावत ने बताया कि मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह थे।

एसकेआरएयू में अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में मंचस्थ अतिथि।

उन्होंने कहा कि करनाल द्वारा विकसित गेहूँ व सरसों की लवण सहिष्णु क़िस्मों को संभाग के किसानों में प्रचलन में लाने की आवश्यकता है। उन्होंने जौ का क्षेत्रफल बढ़ाने का सुझाव दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति अरुण कुमार नें कहा कि विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों पर छोटे रूप में ड्रैगन फ्रूट का बगीचा लगाकर उसका आर्थिक विश्लेषण करवाना चाहिए। उन्होंने खजूर की तुड़ाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन की दिशा में किसानों को प्रशिक्षित करने का सुझाव दिया। बैठक में कैलाश चौधरी, नवीन तंवर व पूर्णाराम विशिष्ट अतिथि थे। कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, डॉ विजय प्रकाश ने बताया कि श्रीगंगानगर केंद्र द्वारा विकसित चने की क़िस्मों का क्षेत्रफल बढ़ा है तथा उन किस्मों के बीजों की मांग निरन्तर बढ़ रही है। अनुसंधान केंद्र बीकानेर का प्रगति प्रतिवेदन डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बीकानेर में लो टनल में खीरा एवं तरबूज की खेती लोकप्रिय है। बैठक में कृषि संकाय अध्यक्ष डॉ. आईपी सिंह, डॉ. सुभाष चन्द्र, डॉ. एनके शर्मा, डॉ. एसआर भूनिया, डॉ. एके शर्मा तथा डॉ. दाताराम ने किसानों के दिये गए सुझावों पर कृषि में डॉक्टरेट की उपाधि के दौरान विद्यार्थियों से कराये जाने वाले अनुसंधान कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कृषि प्रबंधन संस्थान की डॉ. अमिता शर्मा ने मरू शक्ति के उत्पादों के व्यवसायीकरण एवं डॉ. अदिति माथुर ने पदमपुर के किन्नू उत्पादकों को उत्पाद का मूल्य संवर्धन कर अधिक मूल्य दिलवाने के लिए तकनीकी रूप रेखा प्रस्तुत की। डॉ. बीएस नाथावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।